# P-1102

Total Pages : 3 Roll No. .....

# PJ-101

## खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Semester / 1st Year Examination, 2023 (June)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 100**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. भचक्र से आप क्या समझते हैं? विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. 'ग्रह' पर निबन्ध लिखिए।

3. तिथि एवं योग की गणितीय व्याख्या कीजिए।

4. नक्षत्र फल विचार का लेखन कीजिए।

अथवा

विंशोत्तरी दशा साधन कीजिए।

5. षडवर्ग क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. अहोरात्र, मास, ऋतु, पक्ष एवं अयन का ज्योतिषीय विश्लेषण कीजिए।

2. सौर-सावन-चान्द्र-नाक्षत्र काल मान का वर्णन कीजिए।

3. करण की सैद्धान्तिक व्याख्या करें।

4. मुहूर्त्त, वर्ष, मास, दिन तथा युग को परिभाषित कीजिए।

5. दशा से आप क्या समझते हैं?

6. द्वादश भाव स्पष्ट की विधि बतलाइए।

7. योगिनी दशा का परिचय दीजिए।

8. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।